भाकृअनुप ICAR | प्या ल अनु नि DOGR

डी ओ जी आर समाचार
DOGR News

खंड 18 | अंक 2 | जुलाई–दिसंबर, 2014
Volume 18 | No. 2 | July-December, 2014

इस अंक में / Inside

अनुसंधान उपलब्धियां
Research Highlights

- अद्वितीय प्याज जननद्रव्य 'डीओजीआर 1203–डीआर'
  Unique onion genetic stock 'DOGR 1203-DR'
- प्याज की किस्म 'भीमा रेड' की अनुज्ञप्ति
  Onion variety 'Bhima Red' licensed

आईएसओ प्रमाणन
ISO Certification

कन्दिका
Kandika

प्रशासनिक/कार्यालयीन गतिविधियां
Administrative/ Official Activities

स्वच्छ भारत अभियान
Swachh Bharat Abhiyan

जनजातीय उपयोजना के तहत गतिविधियां
Activities under TSP

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन
Trainings Organized

प्रदर्शनियों में सहभाग
Participation in Exhibitions

खेलकूद प्रतियोगिता में सहभाग
Participation in Sports Tournament

मानव संसाधन विकास
Human Resource Development

कार्मिक/Personnel

नूतन प्रकाशन/Recent Publications

संकलन एवं संपादन
Compiled and Edited by

डॉ. शैलेन्द्र शं. गाडगे/Dr. Shailendra S. Gadge
डॉ. प्रिती सिंह/Dr. Pritee Singh
डॉ. कल्याणी गोरेपति/Dr. Kalyani Gorrepati
डॉ. जय गोपाल /Dr. Jai Gopal

प्रकाशक /Published by

डॉ. जय गोपाल, निदेशक/Dr. Jai Gopal, Director

निदेशक की ओर से — From Director's Desk

वर्ष 2014 में देश के अधिकांश भागों में मानसून की शुरुआत देर से हुई, जिससे खरीफ प्याज की बुवाई समय पर नहीं हुई। इस निदेशालय ने प्याज की फसल के विभिन्न चरणों में सूखे की स्थिति के प्रबंधन के लिए किसानों को दिशा–निर्देश जारी किए। इन दिशा–निर्देशों को कृषि विज्ञान केन्द्र और राज्य के कृषि विभागों को भेजा गया तथा किसानों को भी विस्तार गतिविधियों के माध्यम से शिक्षित किया गया। इसे भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया और हमारे अर्ध वार्षिक समाचार पत्र के माध्यम से भी परिचालित किया गया।

खरीफ प्याज की फसल न केवल मानसून के देरी से आने से, बल्कि बाद में निरंतर बारिश होने के कारण भी प्रभावित हुई। इससे विशेष रूप से एन्थ्राक्नोज रोग के प्रकोप में वृद्धि हुई। रोग और पानी के ठहराव के कारण पौध मृत्युदर समतल क्यारियों में किए गए रोपण में असामान्य रूप से काफी अधिक पाया गया। महाराष्ट्र के प्रमुख प्याज के क्षेत्रों में मध्य नवंबर में असमय बारिश की वजह से फसल काफी प्रभावित हुई। इसने खरीफ की कटाई के लिए तैयार खड़ी फसल तथा खेतों में कटी हुई फसल, दोनों को

In 2014, the onset of monsoon got delayed in most parts of the country, which affected the timely sowing of *kharif* onion crop. This Directorate issued an advisory to farmers for managing drought conditions at different stages of onion crop. The advisory was sent to KVKs and state agriculture departments, and farmers were also educated directly through our extension activities. It was also made available on ICAR-DOGR's web site and circulated through our half-yearly newsletter.

The *kharif* onion crop was affected not only by delayed monsoon but also later due to continuous rains. This increased the disease incidence particularly of anthracnose. Due to disease and water stagnation, plant mortality was abnormally high in flat-bed planting. The crop was further affected due to untimely rains in major onion growing areas of Maharashtra in mid November. This adversely affected the standing *kharif* crop ready for harvest and also the harvested produce lying in fields. Wet conditions resulted in rotting of

हानिकारक रूप से प्रभावित किया। अधिक आर्द्रता से कन्दों में सड़न पैदा हुई। पछेती खरीफ की फसल के रोपण में भी अनावश्यक रूप से देरी हुई।

पिछली रबी प्याज की फसल भी विशेष रूप से महाराष्ट्र में ओला वृष्टि से प्रभावित होने के कारण देश में जून से प्याज की कीमतें थोड़ी बढ़ गई। लेकिन उत्तरी राज्यों में अधिक उत्पादन होने से, कीमतों में बहुत ज्यादा वृद्धि नहीं हुई। सरकार द्वारा तय की गई बढ़ी हुई एमईपी ने प्याज की कीमतों को नियंत्रण में रखा जिससे बाजार में स्थिरता दिखाई दी।

इस साल प्याज के बीज की कमी एक और बड़ी समस्या रही। फरवरी–मार्च, 2014 में बारिश और ओला वृष्टि के कारण प्याज बीज उत्पादन करने वाले राज्यों विशेष रूप से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान में खड़ी प्याज की फसल बुरी तरह से प्रभावित हुई जिससे बीज उत्पादन में लगभग 80% की कमी आई। आइरिस पीला धब्बा विषाणु ने भी प्याज के बीज की उपज को काफी प्रभावित किया। भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. के खेतों में बीज उत्पादन की लागत लगभग 2000 रुपये /कि.ग्रा. थी। प्याज के बीज की कमी से रबी, जो की प्याज की फसल का मुख्य मौसम है, का क्षेत्र और उत्पादन भी प्रभावित होने की संभावना है।

मौसम में अनियमितता को ध्यान में रखते हुए भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. ने मासिक आधार पर दिशा–निर्देश जारी करना शुरु किया है जिसे किसान प्याज और लहसून की खेती में विभिन्न अवस्थाओं में अपना सकते हैं। इसे नियमित रूप से भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. की वेबसाइट पर प्रसारित किया जाता है। हम उम्मीद करते हैं कि किसान और हितधारक इस जानकारी से लाभ लेंगे। वह भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. को आवश्यकतानुसार व्यक्तिगत रूप से या फोन पर संपर्क कर सकते हैं।

जय गोपाल

जय गोपाल

bulbs. The planting of late *kharif* crop also got unduly delayed.

The onion prices were a little bit higher in the country from June onwards as the previous *rabi* onion crop particularly in Maharashtra was also affected by hailstorm. But due to more production in the northern states, prices did not increase too much. The increased MEP fixed by the Govt. also helped in keeping the onion price under check and market stability was noted.

The shortage of onion seed has been another major problem this year. Due to rains and hailstorm in February-March, 2014 in onion seed producing states particularly in Maharashtra, Madhya Pradesh, and Rajasthan the standing onion crop was badly affected reducing the seed production almost by 80%. The incidence of Iris yellow spot virus was also high, which also resulted in reduced seed yield. The cost of seed production at ICAR-DOGR's farms was nearly Rs. 2000/kg. The shortage of onion seed is likely to affect the area and production in *rabi*, which is the main season for onion crop.

Keeping the weather vagaries in view, ICAR-DOGR has initiated issuing advisory on monthly basis with regard to cultural operations that the farmers should practice in onion and garlic crops of different ages. This is uploaded on the ICAR-DOGR's website regularly. We hope that farmers and stake holders will make a note of this information and take advantage of it. They are further advised to contact ICAR-DOGR as and when necessary either in person or over phone at our contact numbers.

Jai Gopal

अनुसंधान उपलब्धियां

अद्वितीय प्याज जननद्रव्य (डीओजीआर–1203–डीआर) का रा.पा.आ.सं.ब्यू. के साथ पंजीकरण

देश में विभिन्न संगठनों द्वारा विकसित प्याज की किस्में आमतौर पर रबी मौसम में रोपाई के बाद 120 से 140 दिनों में परिपक्व होती हैं। भारत में जल्दी परिपक्व होने वाली कोई भी किस्म रबी मौसम के लिए नहीं है। अतः प्याज की जल्दी परिपक्व होने वाली किस्म विकसित करने की आवश्यकता है। इस दिशा में अनुसंधान कर निदेशालय द्वारा एक जल्दी परिपक्व होने वाला उत्कृष्ट वंशक्रम 'डीओजीआर–1203–डीआर' विकसित किया गया। इसे भा.कृ.अनु.प. के जननद्रव्य पंजीकरण समिति (पीजीआरसी) के

Research Highlights

Unique onion genetic stock (DOGR-1203-DR) registered with NBPGR

The onion varieties developed by different organizations in the country, generally mature in 120-140 days after transplanting in *rabi* season. There is no common onion variety of early maturity in India for *rabi* season. There is need to develop early maturing varieties of onion. The work in this direction led to development of an early maturing elite line DOGR-1203-DR. This has been registered with NBPGR, New Delhi. It has been provided with national identity, **IC0598327** and Registration No.

अनुमोदन पर राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो, नई दिल्ली के साथ पंजीकृत किया गया। इसे राष्ट्रीय पहचान **आईसी0598327** और पंजीकरण संख्या **आएनजीआर 14057** प्रदान किया गया है। डीओजीआर–1203–डीआर, प्याज का प्रथम जीनप्रारुप है जो बहुत ही जल्दी परिपक्व (रोपाई के 90 दिनों के अंदर) हो जाता है तथा इसके सभी पौधे पूर्ण रुप से परिपक्व होने पर गर्दन के पास से एकसमान गिर जाते हैं। इस जीनप्रारुप का उपयोग कर प्याज की उपस्थित किस्मों में जल्द परिपक्वता के गुण समाहित कर जल्द परिपक्वता वाली उन्नत किस्में विकसित की जा सकती है।

INGR 14057 vide approval of the Plant Germplasm Registration Committee (PGRC) of ICAR. 'DOGR-1203-DR' is the first common onion genotype of very early maturity (90 days after transplanting) having complete and uniform neck-fall during *rabi*. This genotype can be useful to incorporate earliness into improved common onion varieties.

चित्र 1: डीओजीआर–1203–डीआर में जल्द परिपक्वता और एकसमान गर्दन से गिरावट एंव इसके कन्द घटक
Early and uniform neck fall and bulb characters of ICAR-DOGR-1203-DR

अमर जीत गुप्ता, विजय महाजन और जय गोपाल/Amar Jeet Gupta, Vijay Mahajan and Jai Gopal

प्याज की किस्म भीमा रेड की अनुज्ञप्ति

प्याज की किस्म "भीमा रेड" के लिए भा.कृ.अनु.प.–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा मेसर्स सफलमंत्रा एग्रो फार्मस् प्राइवेट लिमिटेड (एस.ए.एफ.पी.एल.), नवी मुंबई को अनुज्ञप्ति दी गई। इस संबंध में एक

Onion variety 'Bhima Red' Licensed

Onion variety "Bhima Red" has been licensed by ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research to M/s. Safalmantra Agro Farms Private Limited (SAFPL), Navi Mumbai. A Memorandum of Understanding in this regard

भीमा रेड
Bhima Red

समझौता ज्ञापन पर एस.ए.एफ.पी.एल. के साथ निदेशालय द्वारा 12 नवंबर, 2014 को हस्ताक्षर किए गए। एस.ए.एफ.पी.एल. महिलाओं के नेतृत्व वाली स्थायी कृषि उत्पादों के उत्पादन एवं विपणन में कार्यरत संस्था है। समझौता ज्ञापन के अनुसार, भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. ने भीमा रेड के बीज उत्पादन और वितरण के लिए एस.ए.एफ.पी.एल. को एक गैर अनन्य अनुज्ञप्ति प्रदान की। भीमा रेड एक उच्च उपज वाली प्याज की किस्म है, जिसकी खरीफ के मौसम में पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु; पछेती खरीफ के मौसम में गुजरात, कर्नाटक और महाराष्ट्र में और रबी में मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के लिए सिफारिश की गई है। यह खरीफ के मौसम में रोपाई के बाद 105–110 दिनों में और पछेती खरीफ और रबी के मौसम में रोपाई के 110–120 दिनों बाद परिपक्व होती है। यह समझौता ज्ञापन किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज की बेहतर उपलब्धता सुनिश्चित कर इस किस्म की खेती को बढ़ावा देगा।

was signed by the Directorate with SAFPL on November 12, 2014. SAFPL is all women lead organization, in the business of producing and marketing sustainable agro-products. As per MoU, ICAR-DOGR has extended a non-exclusive license to SAFPL for seed production and distribution of Bhima Red. Bhima Red is a high yielding onion variety recommended for cultivation in *kharif* season in Punjab, Haryana, Delhi, Rajasthan, Gujarat, Maharashtra, Karnataka and Tamil Nadu, in late *kharif* season in Gujarat, Karnataka and Maharashtra and for *rabi* in Madhya Pradesh and Maharashtra. It matures in 105-110 days after transplanting in *kharif* season and in 110-120 days after transplanting in late *kharif* and *rabi* seasons. The MoU will promote the cultivation of this variety by ensuring the better availability of quality seed to the farmers.

आईएसओ प्रमाणन

भा.कृ.अनु.प.–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, पुणे को आईएसओ 9001: 2008 की मान्यता मिल गई है। यह प्रमाण पत्र अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यायन मंच से आईएसओ प्रमाणन के लिए अधिकृत आईएसओ प्रमाणन संस्था एलएमएस सर्टीफिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड से अपने स्वतंत्र आकलन के बाद भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. ने प्राप्त किया है। प्रमाण पत्र भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. द्वारा "प्याज और लहसुन में उन्नत किस्मों, उत्पादन, संरक्षण एवं सस्योत्तर प्रौद्योगिकियों के विकास" के लिए लागू है।

ICAR-DOGR gets ISO Certification

ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar, Pune has got ISO 9001:2008 accreditation. This certificate from International Accreditation Forum for ISO certification has been obtained by ICAR-DOGR after its independent assessment by LMS Certifications Pvt. Ltd., an authorized ISO certification agency. The certificate is applicable to "Development of improved varieties, production, protection and post-harvest technologies in Onion and Garlic" by ICAR-DOGR.

CERTIFICATE

Directorate of Onion and Garlic Research

ISO 9001:2008

Director

कन्दिका

भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. ने हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा पत्रिका कन्दिका का प्रकाशन शुरू किया है। इसका प्रथम अंक दिसंबर, 2014 में प्रकाशित हुआ। डॉ. एन. के. कृष्ण कुमार, उप महानिदेशक (उद्यान विज्ञान) ने 6 जनवरी, 2015 को भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि में इसका विमोचन किया। भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि के सभी कर्मचारियों के अलावा, डॉ. एस. डी. सावंत, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–राष्ट्रीय अंगूर अनुसंधान केंद्र, पुणे और डॉ. के. पी. सिंह, प्रभारी निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–पुष्पकृषि विज्ञान निदेशालय, पुणे भी उपस्थित थे। कन्दिका के प्रकाशन में भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. के कर्मचारियों एवं उनके परिवारों का योगदान है। इसमें आकर्षक और सरल शैली में प्याज एवं लहसुन पर उपयोगी जानकारी के अलावा कई कविताएँ और लेख भी सम्मिलीत हैं।

Kandika

In its endevour to promote Hindi, ICAR-DOGR has initiated the publication of "Kandika", the Rajbhasha Patrika. The first issue of this was published in December, 2014. Dr. N.K. Krishna Kumar, DDG (HS) released this at ICAR-DOGR on 6 January, 2015. Besides all ICAR-DOGR staff Dr. S.D. Sawant, Director, NRC Grapes, Pune and Dr. K.P. Singh,Director (Acting), ICAR-Directorate of Floricultural Research, Pune were also present. 'Kandika' contains contributions from staff and families of DOGR. Besides including valuable information on onion and garlic in a lucrative and simple style, it also has articles of common interest and several poems.

DDG (HS) releasing Kandika

Cover photo of Kandika

प्रशासनिक / कार्यालयीन गतिविधियां

भा.कृ.अनु.प. का स्थापना दिवस

भा.कृ.अनु.प.–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का 86 वाँ स्थापना दिवस राजगुरुनगर, पुणे में 16 जुलाई, 2014 को मनाया गया। श्री. सूर्यकांत पलांडे, अनुसंधान सलाहगार समिति और संस्थान प्रबंधन समिति सदस्य, भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. और पूर्व विधायक, ता.शिरूर, पुणे मुख्य अतिथि थे। श्री. पी. डब्ल्यू. खांडेभराड, अनुसंधान सलाहगार समिति और संस्थान प्रबंधन समिति सदस्य, भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. और श्री. एम. एम. शितोले, प्राचार्य, महात्मा गांधी विद्यालय, राजगुरुनगर, पुणे सम्मानित मेहमान थे। समारोह में किसानों, राज्य के कृषि अधिकारियों

Administrative/ Official Activities

ICAR Foundation Day

The 86th Foundation Day of ICAR was celebrated by the ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research at Rajgurunagar, Pune on 16th July 2014. Mr. Suryakant Palande, RAC & IMC Member, ICAR-DOGR and Ex-MLA, Tal. Shirur, Pune was the Chief Guest. Mr. P.W. Khandebharad, RAC & IMC Member, ICAR-DOGR and Mr. M.M. Shitole, Principal, Mahatma Gandhi Vidyalaya, Rajgurunagar, Pune were the guests of honour. The function was attended by

और छात्रों सहित लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। भारत में कृषि का संक्षिप्त इतिहास और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की उपलब्धियां इस विषय पर डॉ. जय गोपाल, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि., पुणे ने प्रतिपादन किया। मानसून में देरी के कारण प्रचलित सूखे की स्थिति के प्रबंधन के बारे में किसानों तथा राज्य के अधिकारियों के साथ पारस्परिक विचार–विमर्श किया गया। खरीफ प्याज में नुकसान कम करने के लिए दिशा–निर्देश जारी किए गए। मुख्य अतिथि तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अनुसंधान, शिक्षण और विस्तार सहित कृषि के सभी क्षेत्रों में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के नेतृत्व में हुई प्रगति की सराहना की। छात्रों और किसानों को भी भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. के विभिन्न अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को समझाने के लिए खेत और प्रदर्शनी कक्ष ले जाया गया।

about 100 participants including farmers, state agriculture officials and students. A presentation on brief history of Agriculture in India and achievements of ICAR was made by Dr. Jai Gopal, Director, ICAR-DOGR, Pune. Interaction was held with the farmers and state officials regarding management of prevalent drought situation due to delayed monsoon. Advisory on strategies to be followed for minimizing the losses in *kharif* onion was issued. Chief guests and other dignitaries gave their remarks and appreciated the progress made under the leadership of ICAR in all fields of agriculture including research, teaching and extension. Students and farmers were also taken around the farm and exhibition hall to explain the various R&D activities of ICAR-DOGR.

भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. में भा.कृ.अनु.प. का स्थापना दिवस
ICAR Foundation Day at ICAR-DOGR

हिन्दी सप्ताह

भा.कृ.अनु.प.–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरूनगर, पुणे में दिनांक 9 से 15 सितम्बर, 2014 तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया। पहले दिन हिन्दी कार्यशाला का आयोजन रखा गया, जिसमें सी–डैक, पुणे से आये श्री प्रभाकर पाण्डे, परियोजना अधिकारी एवं उनकी टीम ने विभिन्न साफ्टवेयर के माध्यम से हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रेरित किया। हिन्दी सप्ताह के दौरान निदेशालय में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम व प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया। आगामी दिवसों में निदेशालय के कार्मिकों के लिए हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने बढ़–चढ़ कर भाग लिया। हिन्दी सप्ताह के अंतिम दिवस समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें श्री उमेश गुप्ता, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। निदेशक महोदय द्वारा निदेशालय में हिन्दी संबंधी गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया गया। मुख्य अतिथि एवं निदेशालय के निदेशक महोदय

Hindi Week

ICAR-DOGR celebrated Hindi week during 9-15, September, 2014. On the first day of this week, Mr. Prabhakar Pande, Project Officer, Centre for Development of Advanced Computing (C-DAC) along with his team explained about the different softwares developed by C-DAC for translation of English text to Hindi. During this week different competitions were held for encouraging the staff of ICAR-DOGR for use of Hindi. Staff members participated very actively in all the competitions. On the last day at the closing ceremony, Mr. Umesh Gupta, Senior Hindi Officer, NCL, Pune was the chief guest. Director, ICAR-DOGR briefed about the Hindi activities going on at the Directorate to the chief guest. Certificates and mementos were distributed by the chief guest and the Director, ICAR-DOGR to all the winners of the competitions organized during the week. Chief Guest

ने विजेताओं को पुरस्कार, प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किये । मुख्य अतिथि महोदय ने अपने भाषण के द्वारा हिन्दी की महत्ता को बताते हुए अधिकाधिक कार्य हिन्दी में करने के लिए प्रोत्साहित किया।

explained about the importance of use of Hindi and motivated all the staff of ICAR-DOGR for augmenting the use of Hindi in day to day office work.

भा.कृ.अनु.प.– प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन
Hindi Week at ICAR-DOGR

जम्मू–कश्मीर के बाढ़ पीडितों के लिए सहायता निधि

जम्मू–कश्मीर में सितम्बर 2014 में आई भीषण बाढ़ के कारण सम्पूर्ण राज्य में सम्पदा का काफी बड़ा नुकसान हुआ। भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. ने 7302 रुपये सहायता कोष के लिए एकत्रित किए। इस राशि को 'कुलपति बाढ़ राहत कोष एस.के.यू.ए.एस.टी.– के' में जमा किया गया।

Donation for Jammu & Kashmir flood relief

The floods in September, 2014 devastated the lives of the people in Jammu & Kashmir. ICAR-DOGR staff contributed towards relief fund an amount of Rs. 7302. It was deposited in 'Vice-Chancellors Flood Relief Fund SKUAST-K.'

संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक

भा.कृ.अनु.प.–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय की संस्थान प्रबंधन समिति की 18 वीं बैठक 27 सितम्बर, 2014 को भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि., राजगुरुनगर, पुणे में आयोजित की गई। बैठक डॉ. जय गोपाल, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. की अध्यक्षता में हुई और अन्य सदस्य डॉ. जी. एस. करीबसप्पा, प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी) एवं अध्यक्ष, सीएचइएस, हीरेहल्ली, श्री. एस. एन. आदक, कृषि अधिकारी, संयुक्त कृषि निदेशक के प्रतिनिधि, कृषि विभाग, महाराष्ट्र सरकार, डॉ. उत्तम

IMC meeting

The 18th meeting of Institute Management Committee (IMC) of ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research was held on 27th September, 2014 at ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune. Meeting was chaired by Dr. Jai Gopal, Director, ICAR-DOGR and attended by other members Dr. G.S. Karibasappa, Principal Scientist (Horti) & Head, CHES, Hirehalli, Sh. S. N. Adak, Agriculture Officer, representative of Joint Director Agriculture, Department of Agriculture, Govt. of Maharashtra, Dr. Uttam Vishram Mahadkar, Director of

संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक
IMC meeting in progress

विश्राम महाडकर, अनुसंधान निदेशक, डॉ. बालासाहेब सावंत कोंकण कृषि विद्यापीठ, दापोली, श्री. सूर्यकांत गुलाबराव पलांडे, पूर्व विधायक, शिरूर, डॉ. वी. महाजन, प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी), श्री. सुबोध नीरज, प्रशासनिक अधिकारी और श्रीमती विजया ए. भूमकर, सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी, भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. ने बैठक में भाग लिया। अध्यक्ष ने संस्थान प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों का स्वागत किया, उसके बाद इस निदेशालय की प्रगति प्रतिवेदन, कार्य योजना, बजट और चल रही परियोजनाएँ आदि का विवरण निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. द्वारा प्रस्तुत किया गया। सभी सदस्यों ने इस निदेशालय द्वारा की गई प्रगति की प्रशंसा की। निदेशक ने बारहवीं योजना के ईएफसी के लिए भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. की आकांक्षाओं को विस्तार से बताया। किसानों के लाभ के लिए आयोजित की गई गतिविधियों पर भी प्रकाश डाला गया। अध्यक्ष की टिप्पणी के बाद, सदस्य सचिव ने बैठक की कार्यसूची को प्रस्तुत किया। समिति ने भा.कृ.अनु.प. के दिशा–निर्देशों के आलोक में कार्यसूची पर चर्चा की और बहुमूल्य सुझाव दिए। पूर्ण कार्यसूची की सिफारिश की गई और फिर इसे संस्थान प्रबंधन समिति द्वारा अनुमोदित किया गया।

Research, Dr. Bala Saheb Sawant Konkan Krishi Vidyapeeth, Dapoli, Sh. Suryakant Gulabrao Palande, Ex-MLA, Shirur and Dr. V. Mahajan, Principal Scientist (Hort.), Sh. Subodh Neeraj, AO, Mrs. Vijaya A. Bhumkar, AFAO of ICAR-DOGR. The Chairman welcomed all the members of IMC, thereafter the progress report of this Directorate as well as the detail of works, budget and ongoing projects etc. was presented by Director. All members appreciated the progress made by this Directorate. Director elaborated the aspirations of the ICAR-DOGR for the XII Plan EFC. Activities conducted for the benefit of the farmers were also highlighted. Following the chairman's remarks, member secretary presented the agenda items of meeting. The committee discussed the agenda items in the light of ICAR guidelines and gave their valuable suggestions. All agenda items were recommended and approved by IMC.

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

केन्द्रीय सतर्कता आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली और भा. कृ. अनु. प. के आदेशानुसार इस वर्ष भी भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. में सतर्कता जागरूकता सप्ताह दिनांक 27 अक्टूबर, 2014 से 1 नवम्बर, 2014 तक मनाया गया। इस वर्ष सतर्कता सप्ताह का विषय था ''भ्रष्टाचार का मुकाबला प्रोद्योगिकी–एक संबल के रूप में''। दिनांक 27 अक्टूबर, 2014 को प्रात: 11 बजे, डॉ. विजय महाजन, सतर्कता अधिकारी द्वारा निदेशालय के समस्त कार्मिकों को इस संबंध में प्रतिज्ञा दी गई। इसके प्रचार प्रसार के लिए निदेशालय के मुख्य प्रवेश द्वार पर बैनर एवं सूचनापट्ट पर परिपत्रों द्वारा जागरूकता लाने का प्रयास किया गया। सतर्कता सप्ताह के समापन समारोह का कार्यक्रम दिनांक 1 नवम्बर, 2014 को अपरान्ह 3.30 बजे रखा गया। जिसमें निदेशालय के सभी कार्मिकों ने भाग लिया तथा प्रौद्योगिकी का उपयोग कर निदेशालय को भ्रष्टाचार मुक्त एवं पारदर्शी बनाने संबंधी अपने विचार व्यक्त किए।

Vigilance Awareness Week

As per the order circulated by Central Vigilance Commission (CVC), Government of India and ICAR, ICAR-DOGR observed Vigilance Awareness Week during 27 October to 1st November, 2014. This year subject of vigilance week was "Combating Corruption-Technology as an Enabler". On 27 October, 2014 at 11.00 am Dr. V. Mahajan, Vigilance Officer administered pledge in this regard to all staff of ICAR-DOGR. To create the awareness in the public, banners and posters were displayed at the main gate. Closing programme of vigilance week was organized on 1st November, 2014 at 3.30 pm. All the staff participated in this programme and expressed their views on the use of technology to keep the Directorate corruption free and transparent.

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह
Closing Ceremony of Vigilance Awareness Week

राष्ट्रीय एकता दिवस

गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर दिनांक 31 अक्टूबर, 2014 को भा.कृ.अनु.प.–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस संबंध में देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. के सभी कार्मिकों द्वारा प्रतिज्ञा ली गई।

विश्व शौचालय दिवस

स्वच्छ भारत मिशन के कार्यान्वयन के अंतर्गत, पेय जल और स्वच्छता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने 19 नवंबर, 2014 को विश्व शौचालय दिवस घोषित किया। शौचालय के उपयोग को बढ़ावा देने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए निदेशालय में उस दिन विश्व शौचालय दिवस का अवलोकन किया गया।

सांप्रदायिक सद्भाव सप्ताह

राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. में 19–25 नवंबर, 2014 के दौरान सांप्रदायिक सद्भाव सप्ताह मनाया गया। 25 नवंबर को झंडा दिवस मनाया गया। भा.कृ.अनु.प.– प्या.ल.अनु.नि. के सभी कर्मचारियों ने झंडा दिवस पर सांप्रदायिक सद्भाव निधि एकत्रित की और उसे सचिव, राष्ट्रीय सांप्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान को भेजा गया।

स्वच्छ भारत अभियान

भा.कृ.अनु.प.–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर में महात्मा गांधी के जन्म दिवस पर 2 अक्टूबर, 2014 को 'स्वच्छ भारत अभियान' समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत निम्नलिखित गतिविधियां चलाई जा रही हैं।

1. संदेश करेंगे महात्मा गाँधी का सपना साकार, कार्यान्वित करेंगे 'स्वच्छ भारत अभियान' का विचार भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. के वेबसाइट के होम पेज पर प्रसारित किया गया है।
2. भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. के कर्मचारी हर शनिवार शाम 4:00 बजे से कार्यालय, आवासीय क्षेत्र और अन्य स्थानों की सफाई के लिए सामुदायिक कार्य करते हैं।
3. परिसर में विभिन्न स्थानों पर स्वच्छता संदेश प्रसारित करने के लिए प्रदर्शन पट्ट लगाए गए हैं।
4. भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. द्वारा 9–11,15–17 एवं 22–24 दिसंबर, 2014 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में किसानों में 'स्वच्छ भारत अभियान' के संबंध में जागरुकता का प्रसार किया गया।
5. निदेशालय के समीप ग्रामीण समुदाय, स्कूली बच्चों तथा कृषक वर्ग में स्वच्छता हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।
6. जनवरी 1, 2015 को नववर्ष के दिन निदेशालय कार्मिकों द्वारा एक मानवीय श्रृंखला बनाकर स्वच्छता अभियान हेतु जागरूकता का प्रसार किया गया।

National Unity Day

As per the directions of the Ministry of Home Affairs, Govt. of India, the birth anniversary of Sardar Vallabhbhal Patel, "The Iron Man of India" was observed as "Rashtriya Ekta Diwas (National Unity Day)" on 31st October, 2014 at ICAR-DOGR. A pledge to maintain the unity and integrity of the country was taken by all the staff of ICAR-DOGR.

World Toilet Day

As a part of the implementation of the Swachh Bharat Mission, the Ministry of Drinking Water and Sanitation, Government of India, directed to observe the "World Toilet Day" on 19th November, 2014. The "World Toilet Day" was observed at this Directorate on this day to promote the use of toilet and maintain the hygiene.

Communal Harmony Week

As per the instructions received from National Foundation for Communal Harmony (NFFCH), New Delhi, Communal Harmony week was observed during 19 to 25 November, 2014 at ICAR-DOGR. All staff of ICAR-DOGR contributed for the National Foundation for Communal Harmony fund on the Flag Day and it was submitted to Secretary, NFFCH.

Swachh Bharat Abhiyan

ICAR-DOGR started Swachh Bharat Abhiyan programme on the birth date of Mahatma Gandhi, 2nd October, 2014. The following activities are being implemented under this programme.

1. Message "करेंगे महात्मा गाँधी का सपना साकार, कार्यान्वित करेंगे 'स्वच्छ भारत अभियान' का विचार" has been uploaded on the home page of DOGR website.
2. Every Saturday from 4.00 PM onward ICAR-DOGR staff undertakes community work for cleaning office, residential area and other places.
3. Display boards to spread the cleanliness messages have been fixed at various locations in the campus.
4. Awareness for 'Swachh Bharat Abhiyan' was passed on to farmers in the training programme organised by ICAR-DOGR during 9-11, 15-17 and 22-24 December, 2014.
5. Awareness campaigns in the nearby villages and towns involving farmers, farm women, school children and people of civil society are organized.
6. On 1st January, 2015 awareness programme on cleaning was done by forming human chain of all staff of ICAR-DOGR.

7. निदेशालय के समीप शिरोली गाँव को स्वच्छता अभियान के अंतर्गत स्वच्छ, हरीत एवं समृद्ध आदर्श गाँव बनाने के लिए अपनाया गया है।
8. पुराने दस्तावेज को जलाना, पुराने, अप्रचलित एवं बेकार सामानों को निपटाना नियमित रुप से किया जा रहा हैं।
9. इन गतिविधियों का मासिक प्रगति प्रतिवेदन निदेशालय की वेबसाईट पर दर्शाया जाता हैं।

यह गतिविधियां निदेशक, भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. की अध्यक्षता में की गई बैठकों में भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. के कर्मचारियों द्वारा सर्वसम्मति से लिए गए निर्णयों के अनुसार की जा रही हैं।

7. Village Shiroli near ICAR-DOGR has been adopted to develop it into a clean-green and prosperous model village.
8. Weeding of old records, disposing of old and obsolete furniture, junk material and unserviceable items is done on regular basis.
9. Monthly reports on the activities are uploaded on the ICAR-DOGR website.

These activities are being undertaken as per decisions taken unanimously by the DOGR staff in the meetings chaired by the Director, ICAR-DOGR.

शपथ ग्रहण

सफाई अभियान का शुभारम्भ

Cleaning at ICAR-DOGR

जनजातीय उपयोजना के तहत गतिविधियां

भा.कृ.अनु.प.–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर एवं कृषि विज्ञान केंद्र, नंदुरबार के सहयोग से 6 सितंबर, 2014 को महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के आदिवासी गांव करंजली में एक प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। कुल 77 किसानों ने प्रक्षेत्र दिवस में भाग लिया। श्री. विश्वनाथ यलामल्ले, वैज्ञानिक (बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) और सह प्रकल्प अन्वेषक (जनजातीय उपयोजना) ने नये चयनित स्वयं सहायता समूह के लिए जनजातीय उपयोजना के तहत प्याज एवं लहसुन के बीजोत्पादन

Activities under TSP

ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar in collaboration with Krishi Vigyan Kendra, Nandurbar organized field day on 6th September, 2014 in Karanjali, a tribal village in Nandurbar district of Maharashtra. In total 77 farmers participated in the field day. Mr. Vishwanath Yalamalle, Scientist (Seed Science & Tech.) and Co-PI, Tribal Sub Plan explained the onion and garlic seed production techniques and implementation of

तकनीकों और कार्यान्वयन के बारे में बताया। श्री एच.एस. गवली, वरिष्ठ तकनीशियन (फार्म/क्षेत्र) ने पौधशाला तकनीकों के बारे में जानकारी दी। श्री. आर. एम. पाटिल, उद्यान विशेषज्ञ, कृ.वि.के., नंदुरबार ने प्याज उत्पादन तकनीकों के बारे में बताया। श्री. पी. एस. लाथे, उप निदेशक (आत्मा), नंदुरबार और डॉ. आर. एस. दहातोंडे, कार्यकारी कार्यक्रम सम्नवयक, कृ.वि.के., नंदुरबार भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। प्याज उत्पादन, बीज उत्पादन, पौध संरक्षण और खरपतवार प्रबंधन से संबंधित किसानों के प्रश्नों का जवाब विशेषज्ञों द्वारा दिया गया।

दूसरा प्रक्षेत्र प्रशिक्षण खरीफ प्याज उत्पादन प्रौद्योगिकी विषय पर जय बजरंग जलस्त्रोत उपभोक्ता गट, निंबोनी, नंदुरबार के प्रदर्शनी प्रक्षेत्र पर 28 अक्टूबर, 2014 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. ए. जे. गुप्ता, वरिष्ठ वैज्ञानिक (उद्यान) एवं नोडल अधिकारी (जनजातीय उपयोजना) द्वारा श्री. आर. एम. पाटिल, (उद्यान विशेषज्ञ) एवं श्री. ए. आर. वखरे (तकनीकी अधिकारी) के सहयोग से किया गया। श्री. आर.एस. निकम, परियोजना निदेशक (आत्मा), श्री. राजेन्द्र दहातोंडे, प्रभारी, कृ.वि.के., नंदुरबार और श्री. नेरकर, अभियंता, टपक सिंचाई, ईपीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड भी प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित थे। नंदुरबार के विभिन्न हिस्सों से कुल 121 किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. ए. जे. गुप्ता ने खरीफ प्याज उत्पादन तकनीक विषय पर व्याख्यान दिया। श्री. आर. एम. पाटिल ने प्याज की पौधशाला और कन्द उत्पादन तकनीकों के बारे में बताया। श्री ए. आर. वखरे ने प्याज के गुणवत्तायुक्त बीजोत्पादन पर व्याख्यान दिया। टपक सिंचाई के संबंध में भी किसानों को जानकारी दी गयी।

नंदुरबार के नवापुर तालुका में खरीफ मौसम में भीमा सुपर प्रजाति के कन्द उत्पादन पर पांच प्रदर्शनियां लगाई गई थी जो बहुत ही उपयोगी साबित हुई। *रबी* के लिए कुल 200 किसानों को प्याज और लहसुन के कन्द उत्पादन एवं प्याज बीजोत्पादन पर 20 प्रदर्शनों को लगाने के लिए चयनित किया गया। नंदुरबार के नवापुर तालुका में लहसुन की पहली बार खेती वाणिज्यिक स्तर पर शुरू की गई। रोपण सामग्री के साथ–साथ अन्य सुविधायें भी प्रत्येक किसानों के समूह को प्रदान की गई। सभी प्रदर्शनियां भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. के सिफारिशों के अनुसार की जा रही है।

the Tribal Sub Plan to the newly selected SHG's. Mr H. S. Gawali, Sr. Technician (Farm/field), ICAR-DOGR, Rajgurunagar explained the nursery raising techniques. Mr. R M Patil, SMS (Hort.), KVK, Nandurbar explained the onion production techniques. Mr. P S Lathe, Deputy Director (ATMA), Nandurbar and Dr. R. S. Dahatonde I/C Programme Coordinator, KVK, Nandurbar were also present. Several queries pertaining to onion production, seed production, plant protection and weed management were answered by the above experts during interaction with farmers.

Another field day was organized on "*Kharif* Onion Production Technology" on 28th October, 2014 at the field of Jai Bajarang Jalsrot Upbhogata Gat, Nimbhoni, Nandurbar. The programme was coordinated by Dr. A. J. Gupta, Sr. Scientist (Hort.) & Nodal Officer (TSP) with the help of Mr. A.R. Wakhare (Technical Officer) and Mr. R.M. Patil, SMS (Hort.). Mr. R. S. Nikam, Project Director (ATMA), Mr. Rajendra Dahatonde, Incharge, KVK, Nandurbar and Mr. Nelkar, Engineer Drip Irrigation, EPC Industries Limited were also present in the programme. A total of 121 farmers from different parts of Nandurbar participated. Dr. A. J. Gupta delivered lecture on "*Kharif* onion production technology". Mr. R. M. Patil explained the raising of nursery and onion production techniques. Mr. A.R. Wakhare delivered lecture on quality seed production in onion. Information regarding installation of drip irrigation was also provided to the farmers.

Five demonstrations were conducted on *kharif* onion production of variety 'Bhima Super' in Navapur taluka of Nandurbar. For *rabi*, total 200 farmers have been selected to conduct 20 demonstrations on onion bulbs and seed production, and garlic production. First time cultivation of garlic has been initiated as commercial crop in Navapur taluka of Nandurbar. Planting materials and other inputs were provided to each group of the selected farmers. All the demonstrations were laid out as per ICAR-DOGR recommendations.

करंजली में प्रक्षेत्र दिवस
Field day at Karanjali

निंभोनी में प्रक्षेत्र दिवस
Field day at Nimbhoni

प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन / Trainings Organized

प्रशिक्षण Training	तारीख Date	प्रायोजक Sponsored by	सहभागियों की संख्या No. of Participants
प्याज एवं लहसुन की खेती	31 जुलाई, 2014	ग्रामीण भारतीय कृषि विकास (एग्री)	40
Onion and Garlic Cultivation	31 July, 2014	Agricultural Growth of Rural India (AGRI)	40
प्याज एवं लहसुन की अग्रिम उत्पादन प्रौद्योगिकी	22 अगस्त, 2014	एग्री	44
Advance Production Technology of Onion and Garlic	22 August, 2014	AGRI	44
प्याज एवं लहसुन की अग्रिम उत्पादन प्रौद्योगिकी	22 सितंबर, 2014	एग्री	48
Advance Production Technology of Onion and Garlic	22 September, 2014	AGRI	48
प्याज एवं लहसुन की वैज्ञानिक खेती	09–11 दिसम्बर, 2014	आत्मा	20
Scientific Cultivation of Onion and Garlic	9-11 December, 2014	ATMA	20
प्याज एवं लहसुन की वैज्ञानिक खेती	15–17 दिसम्बर, 2014	आत्मा	20
Scientific Cultivation of Onion and Garlic	15-17 December, 2014	ATMA	20
प्याज एवं लहसुन की वैज्ञानिक खेती	22–24 दिसम्बर, 2014	आत्मा	25
Scientific Cultivation of Onion and Garlic	22-24 December, 2014	ATMA	25

कुल 1619 किसानों, छात्रों और निजी एवं सरकारी अधिकारियों ने भी भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. द्वारा विकसित विभिन्न तकनीकों के बारे में पता करने के लिए निदेशालय का दौरा किया।

A total of 1619 farmers, students and private and govt. officials also visited the Directorate during this period to know about the different technologies developed by ICAR-DOGR.

भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. में आत्मा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम
ATMA sponsored training programme at ICAR-DOGR

भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. में एग्री प्रायोजित प्रशिक्षण
AGRI sponsored training at ICAR-DOGR

प्रदर्शनियों में सहभाग

भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. ने निम्नलिखित प्रदर्शनियों में भाग लिया।

1. सकाल माध्यम समूह, पुणे द्वारा कृषि महाविद्यालय, पुणे में 12 –16 नवंबर, 2014 के दौरान आयोजित कृषि प्रदर्शनी 'एग्रोवन एग्री एक्सपो 2014'।
2. किसान फोरम प्राइवेट लिमिटेड, पुणे द्वारा मोशी, पुणे में 10 – 14 दिसंबर, 2014 के दौरान आयोजित कृषि प्रदर्शनी 'किसान एग्री एक्सपो 2014' ।
3. महाराष्ट्र राज्य कृषि विश्वविद्यालय और कृषि अनुसंधान और प्रौद्योगिकी द्वारा लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे नाट्यगृह, बिबवेवाडी, पुणे, में 15 – 17 दिसम्बर, 2014 के दौरान आयोजित 'कृषि उद्यमिता/व्यापार में विश्वव्यापी अवसर' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी ।
4. उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय, बागलकोट में 12–14 दिसम्बर, 2014 के दौरान उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'बृहद उद्यान मेला'।
5. डॉ. पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ, अकोला में 27–29 दिसम्बर, 2014 के दौरान आयोजित कृषि प्रदर्शनी 'एग्रो टेक–2014'।

खेलकूद प्रतियोगिता में सहभाग

भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. की खेल टीम ने भा.कृ.अनु.प. अंचलीय खेलकूद प्रतियोगिता 2014 (पश्चिमी क्षेत्र) में केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी), जोधपुर में 20–24 नवम्बर, 2014 के दौरान भाग लिया। टीम ने कैरम, दौड़, लंबी कूद और बैडमिंटन में भाग लिया। **भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. के वैज्ञानिक श्री. मंजूनाथ गौड़ा डी.सी. ने विभिन्न एथलीटीक खेलों (100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़ और लंबी कूद) में तीन स्वर्ण पदक प्राप्त किए।** उन्होंने प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ एथलीट ट्राफी भी जीती। भा.कृ.अनु.प.–प्या.ल.अनु.नि. की बैडमिंटन टीम भी सेमी फाइनल में पहुँची थी।

Participation in Exhibitions

ICAR-DOGR participated in following exhibitions

1. Agricultural exhibition 'Agrowon Agri Expo 2014' during 12 – 16 November, 2014 at College of Agriculture, Pune organized by Sakal Media Group, Pune.
2. Agricultural exhibition 'Kisan Agri Expo 2014' during 10 – 14 December, 2014 at Moshi, Pune organized by Kisan Forum Pvt Ltd, Pune.
3. National Seminar on 'Global Opportunities in Agriculture Entrepreneurship/Business (GOAEB)' during 15 -17 December, 2014 at Lokshahir Annabhau Sathe Natyagruha, Bibwewadi, Pune, organized by State Agriculture Universities in Maharashtra and Journal of Agricultural Research and Technology (JART).
4. "Bruhat Udyan Mela" during 12-14 December, 2014 at University of Horticultural Sciences (UHS), Bagalkot organised by UHS.
5. Agricultural Exhibition "Agro Tech-2014" during 27-29 December, 2014 at Dr. Panjabrao Deshmukh Krishi Vidyapeeth, Akola.

Participation in Sports Tournament

The sports team of ICAR-DOGR participated in ICAR Zonal Sports Tournament 2014 (Western Zone) at Central Arid Zone Research Institute (CAZRI), Jodhpur during 20-24 November, 2014. The team participated in Carom, Race, Long Jump and Badminton. **Shri. Manjunatha Gowda D.C., Scientist of ICAR-DOGR received three gold medals in athletic events (100m race, 200m race and long jump).** He also won the best athlete trophy of the tournament. DOGR team of badminton also reached the semi finals.

श्री मंजूनाथ गौड़ा डी. सी. को सर्वश्रेष्ठ एथलीट ट्राफी
Sh. Manjunatha Gowda D.C. receiving the Best Athlete Trophy

मानव संसाधन विकास/Human Resource Development

नाम और पद Name and Designation	प्रशिक्षण शिर्षक Title of Training	तिथी Date	स्थल Venue
श्री. पी.एस. तंवर, सहायक Shri. P.S. Tanwar, Assistant	भा.कृ.अनु.प. के कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम Special training programme for the employees of ICAR	30 जून – 11 जुलाई, 2014 30 June to 11 July, 2014	आईएसटीएम, नई दिल्ली ISTM, New Delhi
डॉ. एस. आनंदन, वरिष्ठ वैज्ञानिक Dr. S. Anandhan, Senior Scientist	कृषि अनुसंधान परियोजना के एमडीपी प्राथमिकता निर्धारण, निगरानी और मूल्यांकन (पीएमई) MDP Priority Setting, Monitoring and Evaluation (PME) of Agricultural Research Project	4–8 अगस्त, 2014 4-8 August, 2014	नार्म, हैदराबाद NAARM, Hyderabad
	पीएमई संकेतकों और तंत्र के विकास पर नास–आईएफपीआरआई विचार–मंथन बैठक NAAS-IFPRI Brainstorming meeting on Developing PME indicators and mechanisms in NARS	12 अगस्त, 2014 12 August, 2014	एनएएससी परिसर, नई दिल्ली NASC Complex, New Delhi
डॉ. कल्याणी गोरेपति, वैज्ञानिक Dr. Kalyani Gorrepati, Scientist	कंसल्टेंसी परियोजनाओं प्रबंधन पर विकास कार्यक्रम Development Programme on Consultancy Projects Management	22 – 27 अगस्त, 2014 22 – 27 August, 2014	नार्म, हैदराबाद NAARM, Hyderabad
श्री. एच.एस.सी. शेख, वरिष्ठ तकनिकी अधिकारी Shri. H.S.C. Shaikh, Senior Technical Officer	कृषि ज्ञान प्रबंधन तकनीक Agricultural Knowledge Management Techniques	16 – 26 सितम्बर, 2014 16 - 26 September, 2014	नार्म, हैदराबाद NAARM, Hyderabad
श्री. एस.पी. कंडवाल, सहायक Shri. S.P. Kandwal, Assistant	भा.कृ.अनु.प. के कर्मचारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम Special training programme for the employees of ICAR	10–21 नवम्बर, 2014 10-21 November, 2014	आईएसटीएम, नई दिल्ली ISTM, New Delhi
श्रीमती अश्विनी प्र. बेनके, वैज्ञानिक Mrs. Ashwini P. Benke, Scientis·t	आनुवंशिक संसाधनों का *इन–विट्रो* संरक्षण *In-vitro* conservation of genetic resources	1– 12 दिसंबर, 2014 1- 12 December, 2014	आईआईएचआर, बंगलौर IIHR, Bangalore
श्रीमती विजया ए. भूमकर, सहायक वित्त एवं लेखा अधिकारी Mrs. Vijaya A. Bhumkar, Assistant Finance & Accounts Officer	सरकारी लेखा Government Accounts	15–16 दिसम्बर, 2014 15-16 December, 2014	आईएनजीएएफ, मुंबई INGAF, Mumbai

विदेश यात्रा

डॉ. जय गोपाल, निदेशक, भा.कृ.अनु.प. –प्या.ल.अनु.नि. ने 22–24 दिसम्बर, 2014 के दौरान कोलंबो में प्याज बीज गुणन और फसल उत्पादन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने के लिए श्रीलंका का दौरा किया। उन्होंने "प्याज अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

Foreign visit

Dr. Jai Gopal, Director, ICAR-DOGR visited Sri Lanka for participation in the International Workshop on "Onion seed multiplication and crop husbandry", 22-24 December, 2014, Colombo. He delivered invited lecture on "Onion Research and Technology Development: An Indian perspective".

कार्मिक/ Personnel

भर्ती/ Joining

डॉ. वी. करूपय्या ने वैज्ञानिक (कृषि कीट विज्ञान) के पद पर 29 नवम्बर, 2014 को कार्य ग्रहण किया।

Dr. V. Karuppaiah, joined as Scientist (Agricultural Entomology) on 29 November, 2014

स्थानांतरण/ Transfer

डॉ. ए. ए. मुरकुटे, वरिष्ठ वैज्ञानिक (बागवानी) भा.कृ.अनु.प. – केन्द्रीय निम्बूवर्गीय अनुसंधान संस्थान, नागपुर के लिए स्वयं अनुरोध पर 22 अगस्त, 2014 को स्थानांतरीत हुए।

Dr. A.A. Murkute, Senior Scientist (Horticulture) relieved on 22 August, 2014 upon his request transfer to ICAR-Central Citrus Research Institute, Nagpur

सेवानिवृत्ति/ Retirement

श्री. सी. एम. वाकोडकर, सहायक प्रशासनिक अधिकारी 30 नवम्बर, 2014 को सेवानिवृत्त हुए।

Shri. C.M. Wakodkar, Assistant Administrative Officer superannuated on 30 November, 2014

Recent Publications

नूतन प्रकाशन

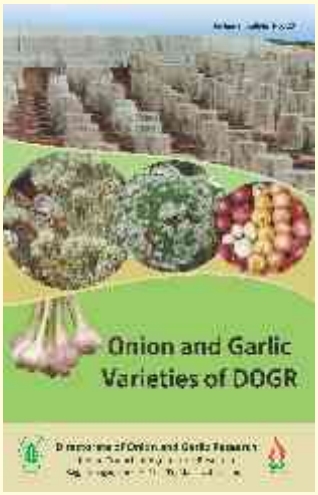

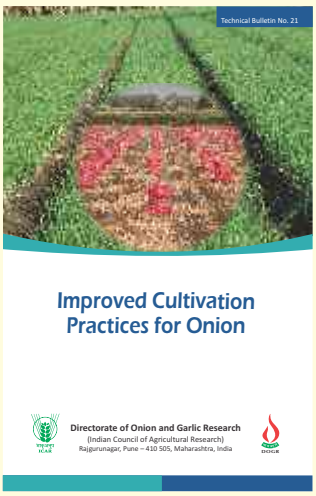

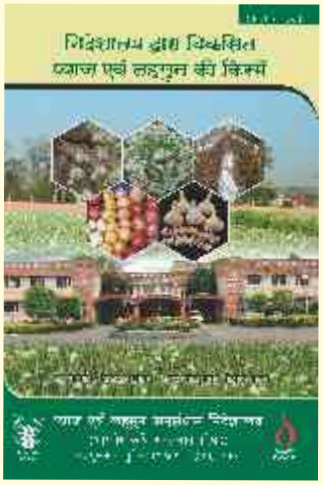

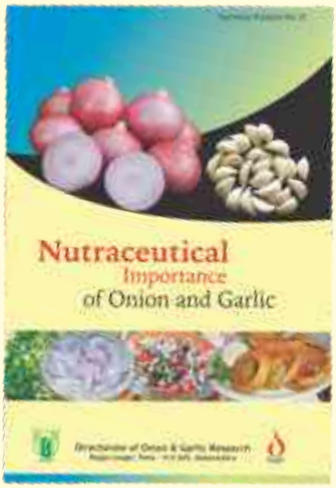

भा.कृ.अनु.प.–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय

राजगुरूनगर, पुणे–410 505, **महाराष्ट्र, भारत**

दूरभाष: 02135- 222026, 222697, फैक्स: 02135- 224056 ईमेल: director@dogr.res.in/aris@dogr.res.in

वेब: http://www.dogr.res.in

ICAR–Directorate of Onion and Garlic Research

Rajgurunagar – 410 505, Pune, Maharashtra, India

Phone: 02135-222026, 222697 Fax: 02135-224056 E-mail: director@dogr.res.in/aris@dogr.res.in

Website : http//www.dogr.res.in

Designed & Printed by: Anson Advertising & Marketing, Pune. Tel.: 24213244 Fax: 24210013 Email: ansonorama@gmail.com